

Take Our Quiz!

- Q.1) Q. स्मृति दिवस के अवसर पर बापदादा ने बच्चों की कुछ विशेषताएं देखकर उनको 'सहजयोगी, निरन्तर योगयुक्त, जीवनमुक्त, सदा फरिश्ता स्वरूप भवः' का वरदान दिया। बच्चों की उन विशेषताओं का चयन करें--
- A. ☒ सभी बच्चों का चार्ट बाप-समान अव्यक्त वतनवासी, सदा स्नेही लवलीन अवस्था का रहा।
- B. ☒ सभी स्मृति स्वरूप रहे। एक बाप दूसरा न कोई- बस एक ही लगन में मगन थे।
- C. ☒ सबके दिल में बाप को प्रत्यक्ष करने का दृढ़ संकल्प था।
- D. ☒ सभी बच्चों के चेहरे सेवा के उमंग-उत्साह से भरे थे।
- E. ☒ सबके हृदय में बाप-दादा बसा था और सब उत्सुक थे कि कैसे दिल चीरकर दिखायें कि बाप हमारे दिल में है।
- F. ☒ स्नेह सम्पूर्ण रूप में इमर्ज था और शक्ति स्वरूप भी सेवा अर्थ इमर्ज था- याद और सेवा का बैलेन्स था।
- Q.2) Q. "अशुद्धि ही विकार रूपी भूतों का आवाह करती है इसलिए -----से भी शुद्ध बनो।"
- निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें ---
- A. ☐ संकल्पों
- B. ☐ बोल
- C. ☐ कर्मों
- D. ☐ शरीर
- Q.3) Q. बापदादा ने स्व के प्रति और सर्व के प्रति सदा विघ्न-विनाशक बनने के लिये सहज उपाय बताये हैं, उनको सही-सही चयन करके स्पष्ट करें ---
- A. ☒ केश्वन मार्क को सदा के लिए विदाई देना।
- B. ☒ फुलस्टाप द्वारा सर्व शक्तियों का फुल स्टॉक करना।
- C. ☒ सर्व विघ्न प्रूफ चमकीली फरिश्ता ड्रेस सदा पहनकर रखना। मिट्टी की ड्रेस नहीं पहनना।
- D. ☒ सदा सर्व गुणों के गहनों से सजे रहना।
- E. ☒ सदा कमल पुष्प के आसन पर अपने श्रेष्ठ जीवन के पांव रखना।
- F. ☒ सदा अष्ट शक्ति शस्त्रधारी सम्पन्न मूर्ति बनकर रहना।
- Q.4) Q. बापदादा ने बच्चों को पूरे वर्ष का होमवर्क दिया जो निम्नलिखित वाक्य-समूह के रूप में प्रस्तुत है। यह सही है अथवा गलत, कृपया बताएं ----
- "जैसे आजकल के स्थूल खुशबू के साधनों से कोई गुलाब की खुशबू, कोई चन्दन की खुशबू फैलाते हैं ऐसे आप रोज अमृतबेले विश्व वरदानी स्वरूप से विश्व-कल्याणकारी बाप के साथ मन्सा संकल्प वा वृत्ति द्वारा सुख, शान्ति, शक्ति, प्रेम, आनन्द के वायब्रेशन की खुशबू फैलाना। रोज अमृतबेले भिन्न-भिन्न श्रेष्ठ वायब्रेशन के फाउन्टेन के मुआफिक आत्माओं के ऊपर गुलाबबाशी डालना और विश्व में अशुद्ध वृत्ति की बदबू को खुशबूदार बनाना। सिर्फ संकल्प का आटोमेटिक स्वीच ऑन करना होगा।"
- A. ☐ True
- B. ☐ False

Q.5)

Q. कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ----

“आज के दिन सर्व स्नेही और सेवाधारी बच्चे तन से भले भिन्न- भिन्न स्थानों पर हैं लेकिन मन से -----को प्रत्यक्ष करने की धुन के कारण ----- के तरफ ही मनमनाभव हैं।”

- बाप
- बाप्
- बआप
- BAAP
- BAP

Q.6)

Q. आज का समर्थी दिवस मनाने के लिए ‘सेवा में गई हुई विशेष सेवाधारी आत्मायें’ भी वतन में पहुँची। वे अपने विश्व सेवा के वण्डरफुल पार्ट को देखते हुए हार्षित हो रही थीं। विश्व की पतित-पावनी सरस्वती नदी की सेवा गुप्त रूप में भी दिखाई है और प्रख्यात में सितारधारी यादगार रूप में भी है। दोनों पार्ट वण्डरफुल हैं और दोनों प्रैक्टिकल में चलना ही है। वतन में उनकी रूह-रूहान पर आधारित यह मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें ----

| | Choice | Match |
|---|--|--|
| A | यह विशेष सेवाधारी, समय का और साकार सेवाधारियों की सेवा की समाप्ति का इन्तजार कर रहे हैं, | जिससे नये राज्य के लेन-देन के वण्डरफुल पार्ट शुरू हो। |
| B | श्रेष्ठ जन्म, फर्स्ट जन्म, दिलाने के लिए धरनी तैयार करने का वण्डरफुल पार्ट, | इन विशेष आत्माओं द्वारा तीव्रगति से चल रहा है। |
| C | दिव्य जन्म द्वारा स्थापना कराने के निमित्त बनी हुई एडवान्स सेवा की पार्टी | प्रत्यक्षता करने के लिए रूकी हुई है। |
| D | पहले कृष्ण पीछे राधे होगी ना। | उनका जन्म-स्थान और उनकी स्थिति दोनों का सम्पूर्ण कार्य समाप्त कर पीछे जन्म होगा राधे का। |
| E | साकार सेवा के पार्ट के समाप्ति की डेट ही, | फिर राज्य के जन्म की डेट होगी। |

Q.7)

Q. “एडवान्स सेवा की पार्टी प्रत्यक्षता करने के लिए रूकी हुई है। जैसे यहाँ भी सेवा के क्षेत्र में पहले जगत अम्बा और विश्व किशोर मैदान पर आगे सेवा में आने वाले रहे, वैसे ही अभी भी भिन्न रूप में कार्य के संस्कार वही हैं। दोनों हीरो पार्टधारी हैं। यहाँ स्थापना की तैयारी की और फिर वहाँ वे आप सबके लिए जो विशेष अष्ट रतन हैं, गर्भ महल तैयार कर रहे हैं। अब अपवित्र सृष्टि में पवित्र महल तैयार करना कितना श्रेष्ठ और पावरफुल कार्य करना पड़े। वह डेट पूछ रहे हैं किस डेट तक महल तैयार चाहिए। साकार सेवा का पार्ट समाप्त होगा तब उनके कार्य की आदि होगी।”

- A. ☒ True
- B. ☐ False

Q.8)

Q. सार्विसएबुल बच्चों से बाबा बोले कि सर्विस के प्लैन सफल तभी होंगे जब निमित्त बने हुए विशेष तीन बातों का अटेन्शन देंगे। उन तीनों बातों का सही-सही चयन करें ---

- A. ☒ एक तो जिस आत्मा की जो विशेषता है उस विशेषता को मूल्य देते हुए उनको आगे उमंग-उत्साह में लाना।
- B. ☒ सेवाकेन्द्र का वातावरण रूहानी हो जिससे आत्माओं को सहयोग मिले और उनकी सहज उन्नति हो सके क्योंकि वातावरण धरनी को बनाता है।
- C. ☒ हर सेवाकेन्द्र का वायब्रेशन एकता का हो जो सबको महसूस हो कि ये अनेक नहीं लेकिन एक हैं।
- D. ☐ आने वाली नयी आत्माओं के कारण पुरानी आत्माओं को कम समय देना है।

Explanation: यह मुरली का पॉइंट नहीं है।

Q.9)

Q.” जैसे साकार बाप ने-----में हड्डियाँ भी स्वाहा की ना, ऐसे हर कर्मेन्द्रिय द्वारा-----सदा होती रहे। मुख से भी-----, नयनों से भी-----। -----ही-----। तो सभी ऐसे सेवाधारी हो ना।“

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त 6 रिक्त स्थान भरें ---

- A. ☒ सेवा
- B. ☐ कर्म
- C. ☐ स्नेह
- D. ☐ मेहनत
- E. ☐ पुण्य

Q.10)

Q. वरदान पर आधारित निम्नलिखित वाक्यों का समूह सही है अथवा गलत है, कृपया बताएं---

“समर्थ आत्मा बनने के लिए योग की हर विशेषता का, हर शक्ति का और हर एक ज्ञान की मुख्य पाइंट का अभ्यास करो। अभ्यासी, लगन में मगन रहने वाली आत्मा के सामने किसी भी प्रकार का विघ्न ठहर नहीं सकता। अभी तक ज्ञान के सागर, गुणों के सागर, शक्तियों के सागर में ऊपर-ऊपर की लहरों में लहराते हो, लेकिन अब सागर के तले में जाओ तो अनेक प्रकार के विचित्र अनुभव के रत्न प्राप्त कर समर्थ आत्मा बन जायेंगे।“

- A. ☒ True
- B. ☐ False